मूल्य : 4/- रुपए, पृष्ठ : 8 RNI No. MPHIN/2023/88328 साप्ताहिक समाचार पत्र

READERS' OPINION

रीडर्स ओपिनियन

वर्ष : 4 अंक : 13 इंदौर : 14 अक्टूबर से 20 अक्टूबर 2026 तक

खबरों की रील देखने के लिए स्कैन करें

@READERS.OPINION

readersopinionofficial

गरबा उत्सवों में सुरक्षा की बहुस्तरीय बिसात, 'महिला शक्ति दल' से पुख्ता हुई आधी आबादी की सुरक्षा

इंदौर। इंदौर, महू और उज्जैन सहित मालवांचल में शारदीय नवरात्रि की धूम है। गलियों से लेकर बड़े मैदानों तक सजे गरबा पंडालों में देर रात तक श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। हालांकि, भक्ति और उल्लास के इस पर्व ने पुलिस और प्रशासनिक महकमे के सामने कानून-व्यवस्था बनाए रखने की एक गंभीर चुनौती भी पेश की है।

अधिकतर गरबा पंडाल मिश्रित आबादी और घनी व्यावसायिक बसाहटों के बीच स्थित हैं। इसके साथ ही, इन आयोजनों में नन्हीं बच्चियों से लेकर वयस्क महिलाओं तक की बड़ी भागीदारी रहती है। शाम ढलने से लेकर देर रात तक चलने वाले इन आयोजनों में सांप्रदायिक सौहार्द, भीड़ प्रबंधन और असामाजिक तत्वों पर नकेल कसना प्रशासन के लिए दोहरी अग्निपरीक्षा सिद्ध हो रहा है।

● शेष पेज 2 पर



समयसीमा खत्म, काम अधूरा- मूसाखेड़ी फ्लाईओवर के नीचे बदहाल ट्रैफिक से उभरे गंभीर सवाल

इंदौर। इंदौर के व्यस्ततम रिंग रोड स्थित मूसाखेड़ी चौराहे पर बन रहा छह लेन का फ्लाईओवर अब विकास के दावे से अधिक अव्यवस्था और प्रशासनिक नाकामी का प्रतीक बन चुका है। निर्धारित समयसीमा समाप्त हो जाने के बावजूद फ्लाईओवर का निर्माण कार्य अधर में लटका है।

निर्माण में हो रही देरी और बदहाल डायवर्जन व्यवस्था के कारण चौराहे के नीचे रोजाना कई-कई घंटों का भीषण ट्रैफिक जाम लग रहा है, जिससे परेशान आम जनता का धैर्य अब जवाब दे चुका है।

अन्य मीडिया कवरेज जहां केवल निर्माण में देरी और गड्ढों की समस्या को रेखांकित कर रहे हैं, वहीं इस स्थिति का सबसे चिंताजनक और नया पहलू 'ट्रैफिक प्रबंधन का पूर्ण अभाव' है। चौराहे पर पीक आवर्स के दौरान हजारों वाहनों का दबाव रहता है, लेकिन वहां वाहनों को नियंत्रित करने के लिए ट्रैफिक पुलिसकर्मियों की उपस्थिति न के बराबर रहती है। प्रशासनिक और निर्माण एजेंसी के बीच समन्वय की कमी के चलते वैकल्पिक मार्ग भी अतिक्रमण, बड़े गड्ढों और मलबे से पटे पड़े हैं।

● शेष पेज 2 पर

सुमन नगर में फिर रिसने लगी पीएनजी गैस, प्रशासनिक सुस्ती और अवैध खुदाई से मंडराया बड़ा खतरा

इंदौर। इंदौर के पाश इलाके विजय नगर स्थित सुमन नगर में नल कनेक्शन के नाम पर की जा रही लापरवाही पूर्वक खुदाई से एक बार फिर बड़ा हादसा होते-होते टला। पेयजल लाइन दुरुस्त करने पहुंचे मजदूरों की गैंती भूमिगत अवंतिका पीएनजी गैस पाइप-लाइन में जा लगी, जिससे गैस का रिसाव तेज प्रेशर के साथ होने लगा। पाइपलाइन फूटते ही मजदूर मौके से भाग खड़े हुए। गनीमत रही कि स्थानीय 'शेखर प्लेनेट' के सतर्क चौकीदार ने तत्काल अवंतिका गैस की आपातकालीन टीम को सूचना दी, जिसके बाद तकनीकी अमले ने पहुंचकर मुख्य वाल्व बंद किया और सुधार कार्य शुरू किया।

● शेष पेज 2 पर





सीहोर में बेदखली पर गरमाई सियासत, शिवराज के कड़े तेवर ने मोहन सरकार को किया कटघरे में खड़ा

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर गर्माहट आ गई है, जब केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश की मोहन यादव सरकार के खिलाफ सख्त रुख अख्तियार कर लिया है।

हाल ही में सीहोर जिले के बुधनी क्षेत्र स्थित कोसमी गांव में वन विकास निगम और स्थानीय प्रशासन द्वारा बारेला आदिवासी परिवारों के घरों को बुलडोजर से ढहाने, खड़ी फसलों को रौंदने और कुएं को मिट्टी से भरने की कार्रवाई के विरोध में श्री चौहान सीधे जमीन पर उतर आए। पीड़ित परिवारों के बीच पहुंचकर उन्होंने न केवल उनका दर्द बांटा, बल्कि स्वयं धरने पर बैठकर प्रशासनिक अमले की असंवेदनशीलता पर तीखे सवाल खड़े किए।

इस घटनाक्रम ने राज्य के सियासी पटल पर नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि आदिवासियों के बहाने उभरा यह विरोध प्रदर्शन प्रशासनिक तंत्र पर उनकी पकड़ और पार्टी के भीतर नीतिगत प्राथमिकताओं को लेकर चल रही अंदरूनी खींचतान का स्पष्ट संकेत है।

● शेष पेज 2 पर

होलकर स्टेडियम में मुफ्त पास वितरण पर उठे गंभीर सवाल, पक्षपात के आरोपों से घिरा एमपीसीए

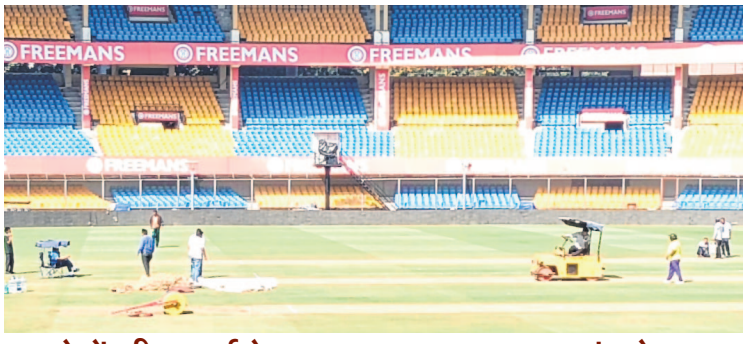
इंदौर। इंदौर के ऐतिहासिक होलकर स्टेडियम में भारत और वेस्टइंडीज के बीच आयोजित एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मुकाबले के दौरान खेल से अधिक प्रशासनिक अनियमितता की गूंज सुनाई दे रही है। भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (बीसीसीआई) के स्पष्ट दिशानिर्देशों के बावजूद, मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एमपीसीए) की मुफ्त पास वितरण नीति को लेकर शहर के पत्रकार बिरादरी और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भारी असंतोष देखा जा रहा है।

वरिष्ठ खेल पत्रकारों का आरोप है कि एमपीसीए पदाधिकारियों ने नियमों को ताक पर रखकर अपने चहेतों, रिश्तेदारों और करीबी सहयोगियों को मीडिया पास बांटे हैं। इस रेवड़ी संस्कृति के कारण मैदान से वर्षों तक निष्पक्ष रिपोर्टिंग करने वाले वास्तविक और अनुभवी खेल पत्रकार दरकिनार कर दिए गए।

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे चिंताजनक और नया पहलू यह सामने आया है कि संस्थागत पत्रकारों की उपेक्षा कर मनपसंद सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को प्राथमिकता दी गई।

● शेष पेज 2 पर





करोड़ों की कमाई के बावजूद बदहाल व्यवस्थाएं : होलकर स्टेडियम में दर्शकों से छलावा और भारी कुप्रबंधन

इंदौर। इंदौर के ऐतिहासिक होलकर स्टेडियम में आयोजित अंतरराष्ट्रीय मुकाबले ने भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (बीसीसीआई) और मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एमपीसीए) के वित्तीय प्रबंधन और दर्शक सुविधाओं के खोखले दावों की पोल खोलकर रख दी है।

टिकटों की ब्रिकी, स्पॉन्सरशिप और निजी ठेकों के जरिए करोड़ों रुपए का मुनाफा कमाने वाली इन संस्थाओं के प्रबंधन में आम दर्शक मूलभूत सुविधाओं के लिए तरसते नजर आए। स्टेडियम के भीतर पहुंचे खेल प्रशंसकों को टूटी व धूल से सनी कुर्सियों, बदबूदार शौचालयों और पीने के पानी के नाम पर केवल खानापूर्ति का सामना करना पड़ा। सुरक्षा और नियमों का हवाला देकर बाहर से पानी की बोतलें और खाद्य सामग्री ले जाने पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया गया था। वहीं, स्टेडियम के भीतर निजी ठेकेदारों द्वारा खाद्य पदार्थों को मनमाने और अत्यधिक दामों पर बेचा जा रहा था।

● शेष पेज 2 पर

सोशल मीडिया की दोस्ती और धोखे का बड़ा खेल

लिव-इन पार्टनर निकला डेढ़ करोड़ का चोर, जोधपुर से गिरफ्तार

इंदौर। इंदौर के लसूड़िया थाना क्षेत्र में भरोसे के खून और डिजिटल रिश्तों की आड़ में अपराध का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। सोशल मीडिया के जरिए प्रगाढ़ हुई दोस्ती और लिव-इन रिलेशनशिप का फायदा उठाकर एक युवक अपनी ही साथी के घर से करीब डेढ़ करोड़ रुपये के सोने के बिस्किट और जेवरात चुराकर फरार हो गया था। पुलिस ने त्वरित तकनीकी सर्विलांस और दबिश देते हुए आरोपी को राजस्थान के जोधपुर से धर दबोचा है।



लसूड़िया पुलिस के अनुसार, पीड़िता ने सितंबर माह में अपनी अलमारी में रखे बेसकीमती सोने के बिस्किट चोरी होने की विधिवत शिकायत दर्ज कराई थी। जांच में खुलासा हुआ कि कुछ समय पहले सोशल मीडिया के माध्यम से पीड़िता की पहचान जोधपुर निवासी गोपाल जाखड़ से हुई थी, जिसके बाद दोनों साथ रहने लगे थे। इसी दौरान आरोपी की नीयत घर में रखे सोने पर डोल गई और मौका पाकर वह मोबाइल बंद कर भूमिगत हो गया। पुलिस ने दबिश देकर उसके कब्जे से 630 ग्राम सोने के बिस्किट, एक महंगी चेन, आईफोन और नकद राशि सहित कुल 1.10 करोड़ रुपये का माल बरामद किया है।

इस पूरी वारदात का सबसे नया पहलू यह है कि आरोपी द्वारा यह बड़ी चोरी किसी सामान्य शौक के लिए नहीं, बल्कि अपने पैतृक गांव में 'सरपंच का चुनाव' लड़ने का भारी-भरकम फंड जुटाने के लिए की गई थी। डीसीपी जोन-2 अमन राठौर ने मीडिया को जानकारी देते हुए आमजन से अपील की है कि वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर किसी भी अपरिचित पर आंख मूंदकर भरोसा न करें।

महू छावनी क्षेत्र में अवैध जनरेटरों का भंडारण

रहवासियों की शिकायत पर चुप्पी पर सवाल

महू। महू छावनी परिषद के अंतर्गत आने वाले कायस्थ मोहल्ले में अवैध रूप से संचालित जनरेटरों और बेलगाम दबंगई के कारण स्थानीय रहवासियों का जीवन नर्क बन गया है। रहवासियों ने मुख्य छावनी कार्यकारी अधिकारी को लिखित शिकायत सौंपकर गंभीर आरोप लगाए हैं कि आवासीय क्षेत्र में बिना किसी अनुमति के कई जनरेटर रख लिए गए हैं, जिनके संचालन के दौरान निकलने वाले प्रदूषण और कर्कश शोर से पूरे मोहल्ले का माहौल दूषित हो रहा है।



शिकायत पत्र में यह भी खुलासा किया गया है कि ये जनरेटर निजी दीवारों से सटाकर रखे गए हैं, जिसके कारण सुरक्षा के गंभीर खतरे पैदा हो गए हैं और चोरों को घरों में सेंध लगाने का मौका मिल रहा है। जनरेटर शुरू होने पर पूरे इलाके में घुटन और जहरीला वातावरण बन जाता है। स्थानीय निवासियों का यह भी आरोप है कि इन जनरेटरों का संचालन करने वाले रसूखदार लोग गली में खुलेआम दादागिरी करते हैं।

मामले का सबसे संवेदनशील और नया पहलू यह है कि रहवासियों द्वारा गुहार लगाने के बावजूद कोई ठोस निराकरण नहीं निकला। यहां तक कि शिकायतकर्ताओं के नाम तक संबंधित पक्षों (रंगवाला परिवार) तक लीक कर दिए गए, जिससे प्रताड़ित परिवार अब अपनी सुरक्षा को लेकर गहरी दहशत में हैं। छावनी परिषद कार्यालय में कई दिन पहले गुहार लगाने के बावजूद प्रशासनिक अमले की यह उदासीनता स्थानीय नागरिकों के जीवन और अधिकारों के साथ खिलवाड़ को उजागर करती है।

पेज एक का शेष



गरबा उत्सवों में सुरक्षा की बहुस्तरीय...

सामान्य पुलिस व्यवस्था से इतर इस बार इंदौर पुलिस ने सुरक्षा का एक बिल्कुल नया और प्रभावी खाका तैयार किया है। पारंपरिक पुलिस गश्त के बजाय शहर भर में विशेष रूप से 'महिला शक्ति दल' (शक्ति मोबाइल) का गठन कर उन्हें तैनात किया गया है। सादे कपड़ों और वर्दी में तैनात ये महिला पुलिसकर्मी न केवल पंडालों के भीतर और बाहर लगातार निगरानी रख रही हैं, बल्कि उत्पाती तत्वों और उपद्रवियों के खिलाफ तत्काल खुफिया कार्रवाई भी कर रही हैं।

अन्य मीडिया कवरेज जहां केवल उत्सव के उत्साह पर केंद्रित हैं, वहीं इस व्यवस्था का सबसे अनूठा पहलू यह है कि महिला पुलिस-कर्मियों की यह तैनाती केवल औपचारिक गश्त तक सीमित नहीं है। 'महिला शक्ति दल' को सीधे कंट्रोल रूम से जोड़कर एआई-सक्षम सर्विलांस (AI surveillance) का बैकअप दिया गया है। भीड़भाड़ वाले संवेदनशील इलाकों में यह दस्ता महिला सुरक्षा का एक ऐसा अभेद्य घेरा बना रहा है, जिससे परिवार बिना किसी भय के देर रात तक उत्सव का आनंद उठा पा रहे हैं।

समयसीमा खत्म, काम अधूरा...

स्थानीय नागरिकों और नियमित वाहन चालकों में कार्य एजेंसी और लोक निर्माण विभाग (PWD) की ढचर-ढचर कार्यप्रणाली के खिलाफ भारी आक्रोश व्याप्त है। हाल ही में प्रशासनिक दौरों और पेनल्टी के दावों के बावजूद धरातल पर स्थिति जस की तस बनी हुई है। जब तक चौराहे पर स्थायी ट्रैफिक बल की तैनाती और सर्विस रोड का सुधार नहीं किया जाता, तब तक मूसाखेड़ी का यह अधूरा सेतु इंदौरवासियों के लिए रोजमर्रा की आफत बना रहेगा।

सुमन नगर में फिर रिसने लगी पीएनजी...

इस घटनाक्रम का सबसे गंभीर पहलू यह है कि इसी सुमन नगर गली में महज तीन महीने पूर्व बिना एनओसी (NOC) के की जा रही बोरिंग के दौरान गैस लाइन फटने से भीषण ब्लास्ट हुआ था। उस वक्त आग की चपेट में आने से एक चर्चित सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर (राजकुमारी झाला) सहित चार लोग बुरी तरह झुलस गए थे, जिनका इलाज अब भी चल रहा है। हालिया घटना सिद्ध करती है कि पिछले जानलेवा हादसे से न तो नगर निगम प्रशासन ने कोई सबक लिया और न ही अवंतिका गैस कंपनी ने इलाके में कोई सख्त निगरानी तंत्र विकसित किया। बिना मैपिंग और सुरक्षा मानकों के अंधाधुंध की जा रही खुदाई शहरवासियों के जीवन के लिए लगातार काल सिद्ध हो रही है।

सीहोर में बेदखली पर गरमाई सियासत...

केंद्रीय मंत्री ने अधिकारियों को दोटूक चेतावनी देते हुए कहा कि ऐसे बर्बर कदम अंततः सरकार और संगठन की छवि को धूमिल कर रहे हैं।

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे नया और अनूठा पहलू यह है कि पूर्व मुख्यमंत्री ने इस अति-उत्साही प्रशासनिक कार्रवाई को सीधे तौर पर मुख्यमंत्री मोहन यादव की साख को बट्टा लगाने की एक सोची-समझी साजिश करार दिया है। उन्होंने सार्वजनिक रूप से जोर देकर कहा कि जिन वंचित व आदिवासी वर्गों के जनादेश के बल पर आज प्रदेश में भाजपा सरकार सत्तासीन है, उन्हीं के आशियाने उजाड़ना कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री के इस अप्रत्याशित तेवर ने विपक्षी दलों को भी बड़ा मुद्दा दे दिया है, जिससे आने वाले दिनों में प्रदेश की सियासत में नए समीकरण बनने के आसार नजर आ रहे हैं।

होलकर स्टेडियम में मुफ्त पास...

बिना किसी ठोस विषयगत समझ और पहचान के आधार पर चुने गए इन 'पसंदीदा' इन्फ्लुएंसर्स को पास थमा दिए गए। दूसरी ओर, टिकटों की आसमान छूती कीमतों के चलते निष्पक्ष और निष्ठावान पत्रकार खुद टिकट खरीदकर भी मैच कवर करने में असमर्थ रहे।

खेल विश्लेषकों का मानना है कि पारदर्शी प्रणाली के अभाव ने न केवल बीसीसीआई के दिशानिर्देशों का उल्लंघन किया है, बल्कि प्रेस दीर्घा की पेशेवर मर्यादा को भी ठेस पहुंचाई है। एमपीसीए का यह रवैया खेल प्रशासन की साख और निष्पक्षता पर एक बड़ा सवालिया निशान खड़ा करता है।

करोड़ों की कमाई के बावजूद बदहाल...

इस भारी महंगाई और उमस भरी गर्मी से तंग आकर कई दर्शक मैच छोड़ रिफ्रेशमेंट के लिए स्टेडियम से बाहर आने को मजबूर हो गए।

इस अव्यवस्था का सबसे चिंताजनक और नया पहलू 'प्रीमियम दर्शक प्रबंधन' में देखने को मिला। एक ओर जहां वीआईपी गाड़ियों और रसूखदारों को बिना किसी रुकावट के लगातार सीधी एंट्री दी जा रही थी, वहीं मैच शुरू होने में महज दस मिनट बाकी रहने तक भी हजारों वैध टिकटधारक दर्शक बाहर कतारों में धक्के खाने को मजबूर थे। गेटों पर हुए इस भारी कुप्रबंधन से आक्रोशित दर्शकों ने टिकट के पैसों की वापसी (रिफंड) की मांग करते हुए जमकर हंगामा किया।

खेल विशेषज्ञों के अनुसार, आम दर्शकों से व्यावसायिक लाभ कमाने के बाद भी उन्हें उपभोक्ता अधिकारों से वंचित रखना एमपीसीए के एकाधिकार और प्रशासनिक उदासीनता को दर्शाता है। यदि आधारभूत ढाँचे और प्रवेश प्रणाली में सुधार नहीं किया गया, तो क्रिकेट प्रेमियों का यह मोहभंग भविष्य में स्टेडियमों की साख को गहरा आघात पहुँचाएगा।

इस मामले का दूसरा महत्वपूर्ण पहलु यह है कि देश के सबसे स्वच्छ शहर के स्टेडियम में देश विदेश से मैच देखने के लिए आने वाले लोगों पर कितना ख़राब असर पड़ा होगा जब उन्होंने इस तरह की अव्यवस्थाओं को देखा होगा।

धारनाका में निर्माणाधीन गंभीर नदी पुल पर बढ़ा हादसों का जोखिम

महू। महू- पीथमपुर मार्ग पर स्थित धारनाका क्षेत्र में गंभीर नदी पर बन रहे नए पुल का निर्माण कार्य स्थानीय राहगीरों और वाहन चालकों के लिए जी का जंजाल बन गया है। निर्माण अवधि के दौरान यातायात को सुगम बनाए रखने के उद्देश्य से ठेकेदार द्वारा पुल के दोनों ओर सर्विस रोड बनाई गई हैं, जिन्हें वन-वे (एकतरफा) प्रणाली के तहत संचालित किया जाना था। हालांकि, जमीनी धरातल पर नियम-कायदों की धज्जियां उड़ रही हैं और दोनों ओर से आमने-सामने वाहनों की आवाजाही के कारण रोजाना भीषण ट्रैफिक जाम और हादसों की नौबत आ रही है।

इस अव्यवस्था का सबसे गंभीर पहलू बनाई गई सर्विस रोडों पर भी सवाल उठना है। सामाजिक कार्यकर्ताओं और बुनियादी ढांचा विशेषज्ञों के अनुसार, किसी भी बड़े पुल निर्माण के दौरान नियमानुसार पर्याप्त चौड़ाई वाली पक्की (ब्लैक टॉप) व समतल सर्विस रोड बनाना अनिवार्य होता है, ताकि वे सड़कें भारी वाहनों का दबाव सह सके। इसके विपरीत, यहां बेहद संकरी और कच्ची सड़कें तैयार कर इतिश्री कर ली गई है। बारिश और धूल के कारण ये सड़कें जानलेवा साबित हो रही हैं।

प्रशासनिक दावों के अनुसार पुल का निर्माण कार्य आगामी जनवरी तक पूरा किया जाना है। लेकिन निर्माण स्थल की वर्तमान गति और सुस्त प्रगति को देखते हुए इस समयावधि में कार्य पूरा होना असंभव नजर आ रहा है। मानकों की अनदेखी और ट्रैफिक पुलिस की अनुपस्थिति के कारण क्षेत्र में रोजाना हादसों का अंदेशा बना हुआ है, जिससे स्थानीय निवासियों में भारी आक्रोश है।



महू में कबाड़ से बनी अनूठी कलाकृति

किले के पास अक्कम गार्डन में सजा स्क्रैप विमान बना चर्चा का विषय

महू। ऐतिहासिक छावनी शहर महू में इन दिनों सृजनात्मकता और पर्यावरण संरक्षण का एक अनूठा संगम देखने को मिल रहा है। महू किले के समीप स्थित अक्कम गार्डन में कबाड़ (स्क्रैप) के सामान से तैयार किया गया एक भव्य विमान क्षेत्र के रहवासियों और पर्यटकों के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र बन गया है। बेकार समझे जाने वाले लोहे और अन्य व्यर्थ सामग्रियों को जिस कलात्मक ढंग से विमान का रूप दिया गया है, वह हर किसी को अचंभित कर रहा है।

इस अनूठी पहल के पीछे महू कैंटोनमेंट बोर्ड के नवाचार की बड़ी भूमिका है। बोर्ड के गैराज और गोदामों में बरसों से डंप पड़े लोहे के कबाड़, पुरानी गाड़ियों के पुर्जे और बेकार धातुओं को रीसायकल कर इस खूबसूरत संरचना को गढ़ा गया है। छावनी क्षेत्र में इस प्रकार की कलाकृतियां न केवल वेस्ट मैनेजमेंट (कचरा प्रबंधन) का बेहतरीन उदाहरण पेश करती हैं, बल्कि 'कबाड़ से जुगाड़' की तर्ज पर स्वच्छता और सौंदर्यकरण का अनूठा संदेश भी देती हैं।

स्थानीय नागरिकों, युवाओं और बच्चों में इस स्क्रैप विमान के साथ सेल्फी लेने और इसे देखने के लिए भारी उत्साह देखा जा रहा है। जानकारों का मानना है कि इस प्रकार के रचनात्मक प्रयास प्रशासनिक स्तर पर उदासीनता को दूर कर सार्वजनिक स्थलों को नया जीवन देने में बेहद कारगर साबित होते हैं। यह मॉडल अब दूसरे नगर निकायों के लिए भी प्रेरणा बन गया है।

महू- पीथमपुर रोड पर ओवरलोडिंग का खेल, यात्रियों की जान से सरेआम खिलवाड़

महू। महू- पीथमपुर औद्योगिक मार्ग पर यातायात नियमों की धज्जियां उड़ाने का एक और खतरनाक मामला सामने आया है। मार्ग से वायरल हुए एक वीडियो ने क्षेत्र में चल रहे यात्री वाहनों के अवैध संचालन और प्रशासनिक लापरवाही की पोल खोलकर रख दी है।

वीडियो में एक टाटा मैजिक वाहन में क्षमता से कई गुना अधिक यात्रियों को ठूंस-ठूंसकर बैठाया गया दिखाया गया है। हैरानी की बात यह है कि यात्रियों की यह भारी भीड़ न केवल वाहन के भीतर बल्कि उसके पायदान तक लटकी नजर आ रही है। इस तरह की अंधाधुंध ओवरलोडिंग से किसी भी समय गंभीर सड़क हादसा हो सकता है।

इस मार्ग पर भारी औद्योगिक वाहनों की आवाजाही दिन-रात बनी रहती है, ऐसे में अनियंत्रित और ओवरलोड छोटे वाहन चालकों की मनमानी यात्रियों की जान पर भारी पड़ रही है। स्थानीय नागरिकों और नियमित राहगीरों का आरोप है कि परिवहन विभाग और यातायात पुलिस की निष्क्रियता के कारण इन वाहन चालकों के हौसले बुलंद हैं। खानापूर्ति के लिए कभी-कभार होने वाली कार्रवाई से स्थिति में कोई सुधार नहीं आ रहा है। अब देखना यह होगा कि इस वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए जिम्मेदार अधिकारी ठोस कार्रवाई करते हैं या फिर किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार किया जाएगा।

एरोड्रम क्षेत्र में मेट्रो निर्माण के बीच बेलगाम हादसे, सुरक्षा मानकों की हो रही अनदेखी

इंदौर। इंदौर के एरोड्रम क्षेत्र में जारी मेट्रो रेल प्रोजेक्ट का काम अब आम जनता के लिए जी का जंजाल बनता जा रहा है। निर्माण स्थलों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम न होने के कारण बीते दिनों यहां दर्दनाक हादसे सामने आए हैं, जिनमें एक स्थानीय व्यापारी की जान तक चली गई। तेज रफ्तार और भारी ट्रैफिक के बीच सड़कों पर बेतरतीब ढंग से रखे गए कंक्रीट डिवाइडर्स और निर्माण सामग्री चालकों के लिए काल साबित हो रहे हैं।

स्थानीय नागरिकों और प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि रात के समय अंधेरे और संकेतक बोर्ड (Reflective Signages) की अनुपस्थिति के कारण वाहन सीधे इन अनधिकृत डायवर्जनों से टकरा रहे हैं। विकास और प्रगति के नाम पर खोदी जा रही सड़कें और बिना किसी चेतावनी के छोड़े गए अवरोधक प्रशासनिक लापरवाही की पोल खोल रहे हैं। हालांकि जिला प्रशासन और मेट्रो प्रबंधन हर बार सुरक्षा के लंबे-चौड़े दावे करता है, लेकिन जमीनी हकीकत इन दावों के बिल्कुल उलट नजर आती है।

इस पूरी समस्या का सबसे गंभीर और नया पहलू यह है कि निर्माण एजेंसियों द्वारा ट्रैफिक डाइवर्जन के दौरान अंतरराष्ट्रीय मानकों की पूरी तरह अनदेखी की जा रही है। न तो पर्याप्त लाइटिंग की व्यवस्था है और न ही यातायात को नियंत्रित करने के लिए होमगार्ड या सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की जाती है। यदि समय रहते जिम्मेदार विभागों ने सख्त कदम नहीं उठाए और पारदर्शी ट्रैफिक मैनेजमेंट लागू नहीं किया, तो यह विकास कार्य शहरवासियों के लिए और अधिक त्रासद साबित हो सकता है।



एरोड्रम थाने में पुलिसिया बर्बरता पर फूटा जनाक्रोश, बैकफुट पर आई खाकी

इंदौर। इंदौर के एरोड्रम पुलिस थाने में बीती रात उस वक्त हड़कंप मच गया, जब पीड़ित पक्ष की शिकायत सुनने के बजाय पुलिसकर्मियों द्वारा कथित तौर पर उनके साथ बदसलूकी और मारपीट का मामला सामने आया। घटना की शिकार बने पीड़ित जयदीप दुबे अपने साथी के साथ मारपीट और विवाद की शिकायत दर्ज कराने थाने पहुंचे थे। आरोप है कि थाने में तैनात ड्यूटी अधिकारियों ने सुनवाई करने के बजाय उनके साथ तीखी बहस की और हद पार करते हुए उन्हें घसीटा व पीटा।



घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्रीय विधायक गोलू शुक्ला के समर्थकों और स्थानीय नागरिकों का आक्रोश भड़क उठा। देखते ही देखते करीब 400 से अधिक कार्यकर्ताओं ने एरोड्रम थाने का घेराव कर दिया। तड़के पांच बजे तक चले इस उग्र प्रदर्शन के दौरान आक्रोशित लोग दोषी पुलिसकर्मियों पर सख्त निलंबन और प्राथमिकी दर्ज करने की मांग पर अड़े रहे। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए उच्चाधिकारियों को हस्तक्षेप करना पड़ा।

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे चिंताजनक और नया पहलू यह है कि जहां आम नागरिक न्याय की आस में थाने पहुंचते हैं, वहीं पुलिस का यह असंवेदनशील रवैया खाकी की साख पर गंभीर सवाल खड़े करता है। बढ़ते जनदबाव और प्रशासनिक प्राथमिक जांच के बाद पुलिस आयुक्त के निर्देश पर थाना प्रभारी (टीआई) सहित संबंधित पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से थाने से हटा दिया गया है। मामले की निष्पक्ष और निष्पक्ष जांच एसीपी मल्हारगंज को सौंपी गई है। उधर, पुलिस ने मूल विवाद में बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर दो आरोपियों को गिरफ्तार भी कर लिया है।



राष्ट्रीय 5G हैकाथॉन में महू के सैन्य संस्थान ने लहराया परचम

महू। तकनीकी क्रांति और सैन्य आधुनिकीकरण के पथ पर अग्रसर भारतीय सेना के मिलिट्री कॉलेज ऑफ टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग (MCTE), महू ने देश की रक्षा और दूरसंचार क्षेत्र में एक नया इतिहास रच दिया है।

भारत सरकार के दूरसंचार विभाग (DoT) द्वारा इंडिया मोबाइल कांग्रेस (IMC) 2026 के अंतर्गत आयोजित प्रतिष्ठित 'राष्ट्रीय 5G इनोवेशन हैकाथॉन' में MCTE ने सर्वोत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान हासिल किया है। नई दिल्ली में आयोजित भव्य सम्मान समारोह के दौरान केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने विजेता टीम को 2.5 लाख रुपये की नकद पुरस्कार राशि एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

इस राष्ट्रीय स्पर्धा की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि MCTE ने देश के शीर्षस्थ संस्थानों, जैसे IITs, IISc बैंगलोर, NITs के शोधकर्ताओं, 5G स्टार्ट-अप्स और टेक MSMEs की 1,000 से अधिक दिग्गज टीमों को पछाड़कर यह गौरव हासिल किया। MCTE की यह ऐतिहासिक सफलता उनकी स्वदेशी परियोजना 'PRISM-5G' को मिली है। कॉलेज के अत्याधुनिक 5G/6G उत्कृष्टता केंद्र (Center of Excellence) में प्रशिक्षकों एवं प्रशिक्षुओं की विशेष टीम ने छह महीने के गहन और सतत अनुसंधान के बाद इस तकनीक को आकार दिया है।

अन्य मीडिया रिपोर्टों से परे इस उपलब्धि का सबसे अहम और नया पहलू यह है कि 'PRISM-5G' केवल एक सैद्धांतिक मॉडल नहीं है, बल्कि इसे भारतीय सेना के 'मल्टी-डोमेन ऑपरेशंस' और दुर्गम सैन्य इलाकों में त्वरित व सुरक्षित संचार नेटवर्क स्थापित करने के लिए विकसित किया गया है। यह सफलता यह सिद्ध करती है कि भारतीय सैन्य संस्थान अब विदेशी तकनीकों के आयातक मात्र न रहकर डिजिटल इंडिया और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान के तहत भविष्य की युद्ध तकनीकों के स्वदेशी जनक बन चुके हैं।

कम बारिश के बीच महू में उठी जल संरक्षण की सुगबुगाहट, रोटरी क्लब और छावनी परिषद ने मिलाए हाथ

महू। इस वर्ष मानसून सत्र के दौरान अपेक्षित वर्षा न होने से मालवांचल में जल संकट के मंडराते खतरे को देखते हुए महू में प्रशासनिक और सामाजिक स्तर पर गंभीर पहल शुरू हो गई है। इसी क्रम में, रोटरी क्लब ऑफ महू द्वारा जल संसाधनों के संरक्षण और भूजल स्तर को बढ़ाने की दिशा में एक अनूठी और व्यावहारिक मुहिम का आगाज किया गया है।

हाल ही में क्लब के सदस्यों ने कैंटोनमेंट बोर्ड की मुख्य कार्यकारी अधिकारी को इस गंभीर विषय पर एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा था। क्लब की इस पहल पर त्वरित प्रशासनिक रुख अपनाते हुए सीईओ ने महज एक दिन के भीतर सकारात्मक कदम उठाए और जल संरक्षण जागरूकता अभियान को हरी झंडी दिखाई। इसी कड़ी में 'जल बचाओ, कल बचाओ' के मुख्य संदेश के साथ विशेष जागरूकता अभियान की शुरुआत की गई, जिसके तहत छावनी परिषद कार्यालय में जल संरक्षण से जुड़े आकर्षक पोस्टरों का विमोचन किया गया।

इस पूरी कवायद का सबसे नया और अनूठा पहलू यह है कि यह अभियान केवल कागजी बैठकों या रस्म अदायगी तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें जनभागीदारी को प्राथमिकता दी जा रही है। छावनी परिषद के कर्मचारियों और रोटरी सदस्यों की संयुक्त टीमें अब आवासीय बस्तियों और बाजारों में जाकर रूफ-टॉप रेनवाटर हार्वेस्टिंग और घरेलू स्तर पर पानी की बर्बादी रोकने के ठोस उपाय साझा कर रही हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि समय रहते इस तरह की जन-जागरूकता को जमीनी स्तर पर नहीं उतारा गया, तो आने वाले ग्रीष्मकाल में महू और आसपास के क्षेत्रों को भीषण जल संकट का सामना करना पड़ सकता है।



खाकी की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल, आरोपी की तलाश में परिजनों को बंधक बनाने का आरोप

इंदौर। इंदौर के द्वारकापुरी थाना क्षेत्र में मादक पदार्थों (पाउडर) के अवैध कारोबार और उसके विवाद को लेकर हुई चाकूबाजी की घटना के बाद पुलिसिया कार्रवाई संदेह के घेरे में आ गई है। मामले में मुख्य आरोपी की तलाश के नाम पर पुलिस पर सनसनीखेज आरोप लगे हैं कि उन्होंने पूछताछ के बहाने आरोपी के निर्दोष परिजनों और परिचितों को कथित रूप से एक कमरे में बंधक बनाकर रखा।

सूत्रों के अनुसार, अहिरखेड़ी क्षेत्र स्थित दिग्विजय मल्टी की चौथी मंजिल के एक कमरे में 6 से 7 लोगों को बंद रखे जाने की बात सामने आई है। परिजनों का आरोप है कि कमरे के बाहर पुलिसकर्मी तैनात थे और अंदर मौजूद लोगों को बाहर निकलने की सख्त पाबंदी थी। इस अमानवीय और गैर-कानूनी तरीके से हिरासत में रखने की सूचना मिलते ही उच्च न्यायालय के अधिवक्ता विवेक व्यास मौके पर पहुंचे और स्थिति पर कड़ी आपत्ति जताई। इस दौरान महिला को ले जाने के समय महिला पुलिसकर्मियों की अनुपस्थिति को लेकर भी गंभीर प्रक्रियागत सवाल खड़े किए गए हैं।

यह पूरा मामला अब कानूनी और न्यायिक मंचों पर पहुंच चुका है, जहां सीसीटीवी फुटेज और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्यवाही की बात कही जा रही है। मुख्य सवाल यह उठता है कि क्या आपराधिक जांच के नाम पर किसी भी नागरिक को निर्धारित कानूनी प्रक्रिया और थाने की सीमा से बाहर इस तरह बंधक बनाया जा सकता है?

महूगांव कन्या छात्रावास के बाहर मनचलों का आतंक, किशनगंज पुलिस ने की कार्यवाही

महू। महूगांव नगर परिषद क्षेत्र स्थित तहसील कार्यालय के समीप संचालित शासकीय बालिका छात्रावास सुरक्षा व्यवस्था के दावों को ठेंगा दिखा रहा है। छात्रावास में रहकर पढ़ाई करने वाली छात्राओं को रोजाना मनचलों और असामाजिक तत्वों की फब्तियों व हरकतों का सामना करना पड़ रहा है। मनचलों के हौसले इतने बुलंद हो चुके हैं कि वे न केवल गेट और चौराहे पर जमावड़ा लगाते हैं, बल्कि छात्राओं की तस्वीरें और वीडियो बनाने की हिमाकत भी कर रहे हैं।



सुरक्षा के गंभीर खतरे को देखते हुए हॉस्टल वार्डन बिंदु बैरागी छात्राओं के साथ खुद सड़क पर उतर आईं और मीडिया के सामने इस अव्यवस्था की पोल खोली। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए किशनगंज थाना प्रभारी अमित कुमार ने बिना देरी किए अपनी टीम को मौके पर भेजा। उप निरीक्षक प्रशांत उपाध्याय के नेतृत्व में पहुंची पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी के भाई को हिरासत में लिया, जिसके बाद मुख्य आरोपी को भी दबोच लिया गया।

इस घटना का सबसे चिंताजनक और नया पहलू यह है कि तहसील कार्यालय जैसे प्रशासनिक केंद्र के ठीक पास छात्राएं असुरक्षित हैं। पुलिस की त्वरित कार्रवाई प्रशंसनीय है, परंतु सवाल यह है कि संवेदनशील छात्रावासों के आसपास स्थायी पुलिस गश्त क्यों नहीं की जाती? महज दिखावे के गश्त के बजाय पुलिस को ऐसे स्थानों पर स्थायी चौकसी तैनात करनी होगी।

जानापाव घाट पर पिकअप पलटने से बड़ा हादसा टला, ओवरलोडिंग और लापरवाही फिर उजागर

महू। महू के ऐतिहासिक तीर्थ क्षेत्र जानापाव के दुर्गम घाट पर धार्मिक यात्रा के दौरान एक बार फिर बड़ा हादसा होते-होते टल गया। भूतड़ी अमावस्या मेले में दर्शन हेतु जा रहे श्रद्धालुओं से भरी एक पिकअप गाड़ी तीखी चढ़ाई पर बेकाबू होकर पलट गई। इस दुर्घटना में करीब 8 श्रद्धालु घायल हो गए, जिन्हें राहगीरों की मदद से तत्काल मानपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। गनीमत यह रही कि अनियंत्रित पिकअप गहरी खाई में गिरने के बजाय सड़क किनारे ही अटक गई, जिससे एक बड़ा विनाशकारी हादसा टल गया।

स्थानिक सूत्रों के अनुसार, इस दुर्घटना का सबसे गंभीर और नया पहलू श्रद्धालुओं को ले जाने में सुरक्षा मानकों की अनदेखी और मालवाहक वाहनों की अंधाधुंध ओवर-लोडिंग है। प्रशासनिक चेतावनियों के बावजूद मेलों के दौरान यात्रियों को पिकअप और खुले वाहनों में चढ़ाई वाले इलाकों पर ढोया जा रहा है। घाट पर यातायात नियंत्रण और आपातकालीन ब्रेकडाउन व्यवस्था का अभाव लगातार हादसों का सबब बन रहा है। यदि समय रहते पुलिस प्रशासन ने संकीर्ण पहाड़ी मार्गों पर मालवाहकों में यात्री परिवहन पर सख्ती से रोक नहीं लगाई, तो भविष्य में और भी बड़े हादसों से इंकार नहीं किया जा सकता।

गरबा पार्टनर दिलाने के नाम पर साइबर जालसाजी, इंदौर पुलिस ने जारी की एडवाइजरी

इंदौर। शारदीय नवरात्रि के दौरान गरबा और डांडिया उत्सव को लेकर युवाओं के उत्साह का फायदा उठाने के लिए साइबर अपराधियों ने ठगी का एक नया डिजिटल पैंतरा खोज निकाला है।



शहर के सिंगल युवाओं को निशाना बनाते हुए सोशल मीडिया और विभिन्न वेबसाइटों पर 'रेंट ए गरबा पार्टनर' या 'Find Garba Partner' के लुभावने विज्ञापन चलाए जा रहे हैं। मनपसंद और आकर्षक फीमेल पार्टनर उपलब्ध कराने का झांसा देकर ठग फर्जी प्रोफाइल के जरिए शुरुआती रजिस्ट्रेशन फीस वसूल रहे हैं।

मामले की गंभीरता को देखते हुए इंदौर क्राइम ब्रांच के एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने शहरवासियों के लिए साइबर एडवाइजरी जारी की है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, ठगी का यह खेल केवल 499 से 999 रुपये की मामूली फीस ऐंठने तक सीमित नहीं है, बल्कि रजिस्ट्रेशन के बहाने दिए गए संदिग्ध लिंक्स के जरिए पीड़ितों का मोबाइल हैक कर ओटीपी, बैंकिंग डेटा और निजी तस्वीरें हासिल की जा रही हैं। आशंका है कि इन तस्वीरों का इस्तेमाल बाद में ब्लैकमेलिंग के लिए भी किया जा सकता है।

अन्य दैनिक समाचारों से परे इस घटना का नया और गंभीर पहलू यह है कि यह फ्रॉड केवल एक शहर तक सीमित न होकर अंत-रराज्यीय सिंडिकेट के रूप में संचालित हो रहा है, जिसमें इंदौर के साथ-साथ अहमदाबाद, सूरत और भोपाल जैसे बड़े शहरों के युवाओं को टारगेट किया जा रहा है। पुलिस ने चेतावनी दी है कि किसी भी अनजान व्यक्ति या लिंक पर आंख बंदकर भरोसा न करें। किसी भी प्रकार की वित्तीय ठगी की स्थिति में तुरंत राष्ट्रीय हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं।

राऊ-कैट रोड पर जगमगाई स्ट्रीट लाइटें

रीडर्स ओपिनियन की पहल से जागा प्रशासन



इंदौर। इंदौर के राऊ स्थित रंगवासा चौराहे से कैट चौराहा तक के व्यस्त मार्ग पर आवागमन अब सुरक्षित होने लगा है। 'रीडर्स ओपिनियन' पोर्टल पर इस मार्ग की बदहाल और टिमटिमाती स्ट्रीट लाइटों से जुड़ी खबर प्रमुखता से उठाए जाने के बाद प्रशासनिक अमला हरकत में आया। संबंधित विभागों ने त्वरित संज्ञान लेते हुए कैट रोड की खराब लाइटों को दुरुस्त कर दिया है, जिससे रात के समय आवाजाही करने वाले हजारों वाहन चालकों ने राहत की सांस ली है।

खबर का असर

इस महत्वपूर्ण मार्ग पर लंबे समय से लाइटों के खराब रहने के कारण दुर्घटनाओं का अंदेशा बना रहता था। एक जिम्मेदार मीडिया हाउस के तौर पर रीडर्स ओपिनियन द्वारा जमीनी हकीकत उजागर किए जाने के बाद अधिकारियों ने तत्परता दिखाई है। हालांकि, अभी भी इस मार्ग के कुछ हिस्सों में स्ट्रीट लाइटें बंद पड़ी हैं, जिन्हें जल्द ठीक किए जाने का आश्वासन प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा दिया गया है। इस सकारात्मक पहल ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाने पर तंत्र किस तरह जवाबदेह बनता है।

इंस्टाग्राम पर दोस्ती और शादी का वादा, मुंबई की युवती की शिकायत पर बैतूल का युवक गिरफ्तार

इंदौर। इंदौर के लसूड़िया थाना क्षेत्र में सोशल मीडिया पर पनपे डिजिटल जालसाजी और शोषण का बेहद गंभीर मामला सामने आया है, जो युवाओं के लिए बड़ी चेतावनी है। मुंबई की 25 वर्षीय युवती से इंस्टाग्राम पर दोस्ती कर, शादी का झूठा वादा देकर दुष्कर्म करने वाले आरोपी नयन सिंह चंदेल (निवासी मुलताई, जिला बैतूल) को पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए गिरफ्तार कर लिया है।



छह महीने पहले सोशल प्लेटफॉर्म पर शुरू हुई यह बातचीत मोबाइल नंबरों के आदान-प्रदान और झूठे आश्वासनों के साथ इंदौर के एक होटल तक पहुंच गई। शारीरिक शोषण के बाद आरोपी ने बीते 15 दिनों में पीड़िता से संपर्क तोड़कर उसका नंबर ब्लॉक कर दिया। जब शादी से पूरी तरह पल्ला झाड़ लिया गया, तब ठगी गई युवती ने पुलिस की शरण ली। एसीपी विज-यनगर पराग सैनी के अनुसार, भारतीय न्याय संहिताकी धाराओं में केस दर्ज कर त्वरित कार्रवाई की गई।

अन्य समाचारों से अलग इस घटना का सबसे कड़वा सबक यह है कि सोशल मीडिया की जगमगाती दुनिया में अनजान लोगों पर आंख मूंदकर भरोसा करना कितना घातक साबित हो सकता है। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर मिलने वाले लुभावने दावों, वर्चुअल आत्मीयता और बिना पहचान सत्यापन के निजी मुलाकातों से दूरी बनाना ही साइबर युग में आत्मरक्षा का सबसे बड़ा हथियार है।

अद्भुत दृश्य था बंगाली चौराहे से विशाल प्रतिमाओं का प्रस्थान

इंदौर। मध्य प्रदेश की व्यावसायिक राजधानी इंदौर में शारदीय नवरात्रि के प्रथम दिन से ही उल्लास और अटूट आस्था का अद्भुत वातावरण बना हुआ है। शहर का पूर्वी क्षेत्र स्थित बंगाली चौराहा इस बार फिर विशालकाय देवी प्रतिमाओं के निर्माण और रवानगी का मुख्य केंद्र बनकर उभरा है। तड़के से ही यहां विभिन्न पूजा समितियों और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है, जहां से 25 से 30 फीट ऊंची गगनचुंबी प्रतिमाओं को उनके गंतव्य स्थलों तक ले जाया जा रहा है।



दशकों पुरानी इस मूर्तिकला परंपरा का नया और सबसे दिलचस्प पहलू इसका आधुनिक परिवहन और लॉजिस्टिक प्रबंधन है। इन अतिविशाल प्रतिमाओं के वजन और ऊंचाई को देखते हुए पारंपरिक जनबल के बजाय भारी हाइड्रोलिक क्रेन और विशेष ट्रेलरों की मदद ली जा रही है। बंगाली चौराहे पर कुशल कारीगरों और वालंटियर्स की विशेष टीमें तैनात हैं, जो क्रेन के जरिए प्रतिमाओं को बिना किसी क्षति के सुरक्षित उठाकर वाहनों पर लोड कर रही हैं।

इस वर्ष मूर्तिकारों ने पारंपरिक काली और दुर्गा स्वरूपों के साथ-साथ भगवान जगन्नाथ के साथ संयुक्त संयोजन जैसी अनूठी थीम पर भी विशाल प्रतिमाएं गढ़ी हैं, जो मालवांचल ही नहीं बल्कि आसपास के जिलों की समितियों को भी आकर्षित कर रही हैं। अंतिम चरण की फिनिशिंग के साथ क्रेन ऑपरेटरों और यातायात पुलिस का यह तालमेल यह साबित करता है कि इंदौर का नवरात्रि उत्सव केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित न रहकर कला, विशालता और बेहतर नागरिक प्रबंधन की नई मिसाल बन चुका है।

कनाड़िया पुलिस के हत्थे चढ़े शातिर मोबाइल स्नैचर, पल्सर बाइक और 10 महंगे फोन बरामद

इंदौर। इंदौर के पॉश और व्यस्त माने जाने वाले कनाड़िया थाना क्षेत्र में राह चलते नागरिकों को निशाना बनाकर मोबाइल झपटने वाली सक्रिय गैंग का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन शातिर आरोपियों को धर दबोचा है, जो अपने महंगे शौक और अय्याशी की जिद को पूरा करने के लिए इस तरह की वारदातों को अंजाम दे रहे थे। आरोपियों के कब्जे से लूटे गए 10 महंगे स्मार्टफोन और वारदात में प्रयुक्त पल्सर एन-250 बाइक जब्त की गई है, जिसकी कुल कीमत करीब 5 लाख रुपये आंकी गई है।



घटना की शुरुआत तब हुई जब गत दिनों परिवादी लवकुश राठौर सड़क किनारे मोबाइल पर बात करते हुए गुजर रहे थे। इसी दौरान बिना नंबर की तेज रफ्तार पल्सर बाइक पर सवार होकर आए बदमाशों ने उनके हाथ से झपट्टा मारकर फोन उड़ा लिया था। डीसीपी अमन राठौर के निर्देशन और थाना प्रभारी के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और दर्जनों सीसीटीवी फुटेज खंगालते हुए आरोपियों की सुरागकशी की, जिसके बाद यह सफलता हाथ लगी।

इस पूरे प्रकरण का सबसे चिंताजनक और नया पहलू यह है कि गिरफ्तार किए गए इन बदमाशों का नेटवर्क केवल एक इलाके तक सीमित नहीं था, बल्कि ये शातिर अपराधी इंदौर के अन्य थानों जैसे तुकोगंज, लसूड़िया और विजयनगर क्षेत्रों में भी सुनसान रास्तों पर इसी स्टाइल में वारदातों को अंजाम दे रहे थे। पुलिस अब इनसे जुड़े सिंडिकेट और चोरी के इन मोबाइलों को खपाने वाले रिसीवर्स की तलाश कर रही है। पुलिस अधिकारियों ने आमजन से अपील की है कि सड़क पर चलते समय मोबाइल का इस्तेमाल सावधानी से करें तथा सस्ते दामों के लालच में कभी भी बिना बिल के सेकेंड-हैंड फोन न खरीदें, अन्यथा कानूनी शिकंजे में फंस सकते हैं।

कम बारिश के बाद महू में जल संकट की आहट, दो माह बाद कटेंगे कृषि बिजली कनेक्शन

महू। कम वर्षा के चलते आगामी ग्रीष्मकाल में गहराने वाले संभावित जल संकट से निपटने के लिए महू तहसील प्रशासन ने कड़े कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। जलाशयों और स्थानीय जल स्रोतों में घटते जलस्तर को देखते हुए प्रशासन ने क्षेत्र के कृषि बिजली कनेक्शनों को दो महीने बाद अस्थायी रूप से काटने का सख्त निर्णय लिया है। इसका मुख्य उद्देश्य तालाबों व नदियों के जल को सिंचाई के लिए अंधाधुंध दोहन से बचाकर केवल पेयजल आपूर्ति हेतु सुरक्षित रखना है।

हालांकि, प्रशासनिक पाबंदियों के बावजूद धरातल पर पानी की अवैध खींचतान और नियमों का उल्लंघन शुरू हो गया है। हाल ही में महू तहसील के ग्राम रामपुरिया खुर्द से ऐसा ही एक गंभीर मामला सामने आया, जहां रोक के बावजूद कुछ रसूखदार लोगों द्वारा तालाब में हाई-पावर मोटर लगाकर सिंचाई हेतु पानी खींचने का ग्रामीणों ने आरोप लगाया है। नाराज ग्रामीणों ने इस संबंध में साक्ष्यों के साथ प्रशासनिक अधिकारियों से शिकायत कर त्वरित जांच और दोषियों पर दंडात्मक कार्रवाई की मांग की है।

अन्य मीडिया रिपोर्टों से परे इस स्थिति का सबसे चिंताजनक और नया पहलू यह है कि यदि समय रहते तालाबों से अवैध जल दोहन पर सख्त निगरानी नहीं रखी गई, तो प्रशासन की बिजली काटने की दो महीने की योजना निष्प्रभावी साबित होगी और गर्मी की शुरुआत से पहले ही ग्रामीण इलाकों में भीषण जल संकट खड़ा हो जाएगा।



सदर बाजार में मोबाइल दुकान पर पथराव और तोड़फोड़, सीसीटीवी में कैद आरोपी मानसिक रूप से अस्वस्थ

इंदौर। इंदौर के घनी आबादी वाले सदर बाजार थाना क्षेत्र में अराजकता का एक नया मामला सामने आया है, जहां जूना रिसाला क्षेत्र स्थित एक मोबाइल रिपेयरिंग की दुकान को निशाना बनाकर जमकर तोड़फोड़ की गई। सनसनीखेज वारदात का सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने के बाद पुलिस प्रशासन हरकत में आया। वायरल वीडियो में एक युवक सरेआम दुकान के कांच पर पत्थर और डंडे बरसाते हुए नजर आ रहा है, जिससे स्थानीय व्यवसायियों में हड़कंप मच गया था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने मीडिया को जानकारी दी कि पुलिस ने फुटेज के आधार पर तत्परता से कार्रवाई करते हुए आरोपी की पहचान कर ली है। शुरुआती जांच और पुलिस तस्दीक में आरोपी मानसिक रूप से अस्वस्थ बताया गया है। हालांकि पुलिस ने एहतियात के तौर पर उसके खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की है, ताकि क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनी रहे।

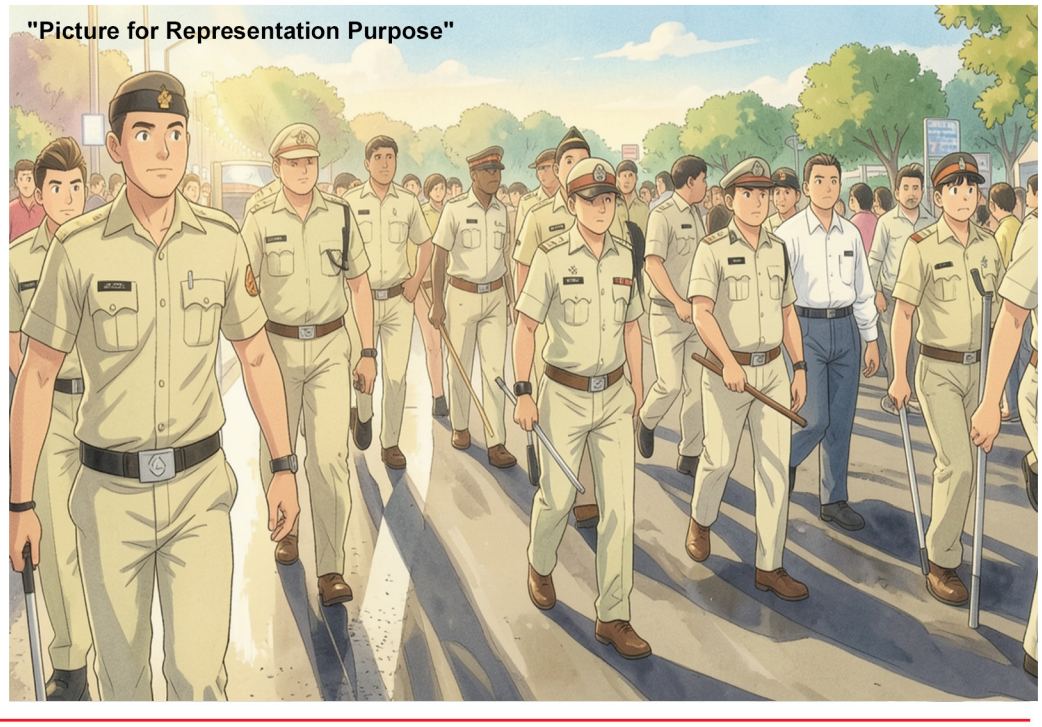
अन्य दैनिक समाचारों से इतर इस घटना का सबसे संवेदनशील और नया पहलू यह है कि यह मामला केवल एक मामूली तोड़फोड़ का नहीं, बल्कि शहरी क्षेत्रों में मानसिक रूप से असंतुलित व्यक्तियों की आवाजाही से जुड़े सुरक्षा-जोखिमों को उजागर करता है। बिना चिकित्सीय निगरानी के इस तरह घूम रहे लोगों से छोटे दुकानदारों की आजीविका और सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं।

महू में त्योहारों से पहले प्रशासन का कड़ा रुख, निकाला गया फ्लैग मार्च

महू। आगामी धार्मिक पर्वों को शांतिपूर्ण और आपसी सद्भाव के वातावरण में संपन्न कराने के लिए महू प्रशासन और पुलिस पूरी तरह मुस्तैद नजर आ रहे हैं। इसी क्रम में स्थानीय प्रशासन द्वारा शहर के प्रमुख मार्गों और संवेदनशील क्षेत्रों में एक व्यापक फ्लैग मार्च निकाला गया। इस मार्च का मुख्य उद्देश्य नागरिकों के मन में सुरक्षा की भावना को मजबूत करना और असामाजिक तत्वों को कड़ा संदेश देना रहा।

फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस और प्रशासनिक अमले ने शहर के विभिन्न चौराहों व बाजारों का दौरा कर कानून-व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान नागरिकों से अपील की गई कि वे सभी आगामी त्योहार आपसी भाईचारे और पारंपरिक सौहार्द के साथ मनाएं। प्रशासन ने स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी है कि माहौल बिगाड़ने या किसी भी प्रकार की अशांति फैलाने की कोशिश करने वालों से सख्ती से निपटा जाएगा।

इसके साथ ही, सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाली भ्रामक सूचनाओं और अफवाहों पर विशेष नजर रखी जा रही है। अधिकारियों ने आम जनता से आग्रह किया है कि वे किसी भी असत्यापित या भड़काऊ अफवाह पर ध्यान न दें और शांति व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस प्रशासन का पूरा सहयोग करें। त्योहारों के मद्देनजर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं ताकि हर वर्ग के लोग बिना किसी संकोच के उल्लासपूर्वक पर्व मना सकें।



भोपाल में आयोजित सीएम यूथ कॉन्क्लेव के दौरान बॉलीवुड सिंगर जुबिन नौटियाल की प्रस्तुति के वक्त बैरिकेडिंग पार करने को लेकर पुलिस और छात्रों के बीच जमकर हंगामा और झड़प हुई

भोपाल के लाल परेड ग्राउंड में आयोजित CM Youth Conclave-2026 के दौरान मंगलवार को उस समय स्थिति तनावपूर्ण हो गई, जब गायक जुबिन नौटियाल की प्रस्तुति के दौरान बड़ी संख्या में छात्र कार्यक्रम स्थल के अंदर जाने की कोशिश करने लगे। प्रवेश और बैरिकेडिंग को लेकर छात्रों और पुलिस के बीच विवाद बढ़ गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, कुछ छात्र बैरिकेड पर चढ़ गए और इसके बाद मौके पर धक्का-मुक्की की स्थिति बन गई।



बैरिकेडिंग को लेकर छात्रों और पुलिस में विवाद- जुबिन नौटियाल की प्रस्तुति शुरू होने के साथ ही युवाओं की भीड़ बढ़ने लगी। कुछ छात्रों ने बैरिकेड पार करने की कोशिश की, जिसके बाद पुलिसकर्मियों ने उन्हें रोकने का प्रयास किया। इसी दौरान बहस बढ़ी और स्थिति झड़प तक पहुंच गई। स्थानीय रिपोर्टों में कार्यक्रम स्थल पर रखी कुर्सियां फेंके जाने की बात भी सामने आई है।

भीड़ के बीच छात्रा के दबने की बात- हंगामे के दौरान भीड़ में एक छात्रा के दबने की जानकारी भी सामने आई है। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने भीड़ को नियंत्रित करने की कोशिश की। कुछ रिपोर्टों में छात्रों पर पुलिस द्वारा थप्पड़ मारने और हल्का बल प्रयोग किए जाने का दावा किया गया है। हालांकि, घटना के सभी पहलुओं को लेकर आधिकारिक स्तर पर विस्तृत जानकारी सामने आना बाकी है।

CM ने युवाओं से किया संवाद, कई घोषणाएं- हंगामे से पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कॉन्क्लेव में युवाओं से सीधा संवाद किया। कार्यक्रम में करीब 20 हजार युवाओं की भागीदारी रही। मुख्यमंत्री ने युवाओं के लिए रोजगार, कौशल विकास, स्वरोजगार और नई तकनीकों से जुड़े अवसरों पर बात की। उन्होंने 2027 को युवा वर्ष के रूप में समर्पित करने और अगले वर्ष MPPSC की परीक्षा दो बार आयोजित करने की घोषणा भी की।

AI, रोबोटिक्स और EV से लेकर स्टार्टअप तक फोकस- CM Youth Conclave का मुख्य फोकस युवाओं को भविष्य के करियर और रोजगार विकल्पों से जोड़ना रहा। कार्यक्रम में AI, रोबोटिक्स, ड्रोन, सेमी-कंडक्टर, नवीकरणीय ऊर्जा और इलेक्ट्रिक व्हीकल जैसे क्षेत्रों पर जानकारी दी गई। 17 सरकारी विभागों और विभिन्न संस्थानों की भागीदारी के साथ 80 से ज्यादा प्रदर्शनी स्टॉल लगाए गए, जहां युवाओं को रोजगार, प्रशिक्षण, स्टार्टअप और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।

जुबिन और रोबोट बने आकर्षण का केंद्र

कॉन्क्लेव में मनोरंजन और टेक्नोलॉजी दोनों का मिश्रण देखने को मिला। जुबिन नौटियाल की प्रस्तुति के अलावा रोबोट का मुख्यमंत्री के साथ बातचीत और कदमताल करना भी युवाओं के बीच आकर्षण का केंद्र रहा। रिपोर्टों के मुताबिक, जुबिन की प्रस्तुति के दौरान भीड़ बढ़ने के बाद बैरिकेडिंग को लेकर हुआ विवाद कार्यक्रम का प्रमुख घटनाक्रम बन गया।

● **Hardik Patidar**

SCIENCE NEWS

Monsoon leaving but rain and storms arrive across India on Thursday

The monsoon is pulling back, but several states are still likely to see heavy showers and thunderstorms on October 8.

Rain is likely to remain active across several parts of India on Thursday, October 8, with the India Meteorological Department (IMD) forecasting heavy rainfall at isolated places in Kerala, Tamil Nadu, Uttarakhand and West Bengal and Sikkim.

● **AARADHYA PAWAR**





Amazing FACTS

TREES CAN "TALK" TO EACH OTHER

Trees communicate through underground fungal networks called the "wood wide web."
They can send nutrients and warning signals to nearby trees.
This helps forests survive as a connected community.

● **Mishti Tyagi**

Technology News

Elon Musk to change company name following Trump's AI-to-SI update

U.S. President Donald Trump last week had passed an executive order calling for AI to be renamed as 'Super Intelligence' or 'SI'



Elon Musk has said that he will change the name of his company SpaceXAI to SpaceXSI in line with U.S. President Donald Trump, who has pushed for AI to be renamed SI (short for Super Intelligence).

Yes, we will make that change," posted Mr. Musk on his social media platform X, in response to a user who asked about the update to his company's name.

● **MISHA SHARMA**

IMF Chief Urges Faster Debt Cuts as AI Boom Adds New Global Risks

AI NEWS

BANGKOK: International Monetary Fund (IMF) Managing Director Kristalina Georgieva has called on governments to move faster to reduce public debt and strengthen fiscal positions, warning that the rapid expansion of artificial intelligence (AI) investment is creating a new set of economic and financial risks.

Speaking ahead of the IMF and World Bank annual meetings in Bangkok, Georgieva said the global economy is facing a combination of elevated public debt, high energy prices, geopolitical tensions and an unprecedented wave of AI-related investment. The convergence of these pressures could make economies more vulnerable to future shocks, particularly where governments have limited fiscal room.

Debt Reduction Becomes an Urgent Priority

Global public debt has climbed to historically high levels, approaching 100% of global GDP. The IMF has warned that debt is likely to continue rising unless governments implement credible medium-term plans to improve their fiscal positions. Higher borrowing costs are adding to the burden as governments spend more on interest payments.

Georgieva urged policymakers to control spending, manage borrowing responsibly and rebuild fiscal buffers. For heavily indebted countries, rising bond yields could further increase debt-servicing costs and restrict the funds available for infrastructure, education and other growth-enhancing investments.

AI Boom Offers Growth — but Carries Risks

The AI investment boom has become an important source of economic growth, particularly in the United States and economies connected to the global technology supply chain. The IMF estimates that AI could generate significant productivity gains if its adoption is managed effectively.

However, the IMF is also concerned about the financial risks surrounding the boom. AI companies and related infrastructure projects are attracting enormous amounts of capital, while valuations in some parts of the technology sector remain elevated. If expected AI earnings or productivity gains fail to materialize, a sharp reassessment by investors could trigger a decline in investment and financial markets.



The IMF has also highlighted the growing use of debt to finance AI infrastructure. Its financial stability analysis estimates that major technology companies could require trillions of dollars in AI-related capital expenditure through 2029, potentially increasing balance-sheet pressures if returns do not keep pace with investment.

Energy and Geopolitical Pressures Add to Uncertainty

The AI expansion is also increasing demand for electricity and other infrastructure, adding another layer of pressure to an already uncertain global energy environment. Meanwhile, geopolitical conflicts and disruptions to energy supplies have pushed prices higher and complicated efforts to control inflation.

For developing and low-income economies, the combination of expensive energy, higher global interest rates and rising debt-service obligations could be particularly damaging. The IMF has stressed that many such countries have limited fiscal space to respond to additional shocks.

Balancing Innovation With Financial Stability

Georgieva's message comes as policymakers attempt to capture the economic benefits of AI without allowing excessive financial risk to build up. The IMF has urged governments to strengthen financial supervision, improve AI regulation, invest in worker skills and ensure that productivity gains are distributed more broadly.

The challenge for policymakers is therefore twofold: reduce debt and rebuild fiscal resilience while continuing to invest in technologies capable of raising long-term productivity.

With global debt already at historic levels and AI investment accelerating rapidly, the IMF's warning is clear: governments may have less room than before to respond if another major economic shock emerges.

● **ATHARVA TIWARI**



La SAGESSE
SEAT OF WISDOM

MAIN CAMPUS

School Facilities

- Smart Class
- Robotics Lab
- Science Labs
- Computer Lab
- Squash Court
- Basketball
- Football
- Skating
- Swimming
- Library
- Rifle Shooting
- Pickle Ball
- Volleyball
- Cricket
- Lawn Tennis
- Indore Badminton Arena

About School

An institution that balances strong academic achievements with overall holistic development of students.

CONTACT US

Ph- 9201959432
9752411052
lasagesse.in

La Sagesse Group of Schools

Our Branches :-



Add.: H-14, Nalanda Parisar, Kesarbag Road, Indore Mo.: 7049299228



Address: 50, Rajaswa Gram Colony, Chhatribag, INDORE Mo.: 9589261662

Panda Road, Near Hotel Red Maple Mashal, A.B. Road, RAU



Senior Luxury Living

SBS
Assisted Living
Senior Citizen Care, Redefined





REAL PHOTOS







Panda Road, Near La Sagesse Academy,
Rau, Indore MP 453331
Phone: 9340380647, 8817137388
Email:sbsseniorspride@gmail.com
website: www.sbsseniorspride.com

स्वामी सौरव सेंगर के लिए प्रकाशक/मुद्रक देवेन्द्र सिंह सेंगर द्वारा कॉम्पेक्ट प्रिन्टर्स प्रा. लि. 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स ए.बी. रोड, इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित एवं ला साजेस केम्पस, पानदा रोड, होटल मशाल के पास राऊ, जिला इंदौर (मध्यप्रदेश) से प्रकाशित। संपादक : स्वर्णिमा सेंगर। मोबाइल : 9244198932 आरएनआई नंबर : MPHIN/2023/88328 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र इंदौर रहेगा।)